सौदामनी

जुलाई – सितम्बर, 2014 | केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग | खण्ड–1 अंक–2

प्रस्तावना

पिछले कुछ समय से इस बात की लगातार आवश्यकता महसूस की जा रही थी कि केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग के स्तर से इस प्रकार की गृह पत्रिका आरंभ की जाए जिसमें आयोग में प्रत्येक क्षेत्र की विभिन्न गतिविधियों को शामिल किया जाए। मुझे अत्यंत प्रसन्नता है कि हम इस पत्रिका के माध्यम से न केवल राजभाषा के प्रचार प्रसार को बढ़ावा दे सकेंगे बल्कि आयोग के स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित उपलब्धियों की जानकारी भी प्रदान की जा सकेगी।

इस पत्रिका के माध्यम से हमारा यह भी प्रयास रहेगा कि समस्त विषयों को भी ऐसी सरल हिंदी भाषा में उपलब्ध करवाया जाए ताकि सभी स्तर के स्टाफ सदस्य इससे लाभान्वित हो सकें। प्राप्त लेखों के संपादन एवं प्रकाशन सामग्री के चयन हेतु संपादक मंडल का भी गठन किया गया है।

मुझे प्रसन्नता है कि इस पत्रिका के प्रवेशांक में प्रकाशित सामग्री समस्त स्टाफ सदस्यों के लिए सूचनाप्रद एवं अत्यंत उपयोगी है।

इस पत्रिका के द्वितीय अंक के सफल प्रकाशन के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(ए.के.सिंघल)
संरक्षक एवं सदस्य

संदेश

हम सभी जानते हैं कि किसी भी भाषा का विकास उसके बहुआयामी प्रयोग से ही संभव होता है। इस तथ्य से हम इंकार नहीं कर सकते कि भाषा के विकास का मानदंड केवल ललित साहित्य अर्थात कहानी, कविता या उपन्यास नहीं होता बल्कि उस भाषा में उपलब्ध वैज्ञानिक एवं तकनीक विषयों से संबंधित सामग्री का स्तर व मात्रा भी होता है। मुझे प्रसन्नता है कि इस पत्रिका में आयोग की समस्त गतिविधियों की सम्यक जानकारी के साथ साथ विभिन्न विषयों से संबंधित लेखों को सहज-सरल एवं प्रचलित हिंदी भाषा में उपलब्ध करवाया जा रहा हैं।

आयोग के स्तर पर प्रकाशित इस पत्रिका के माध्यम से हमें यह सुअवसर प्राप्त हुआ है कि हम अपनी राजभाषा की संपदा और इसके प्रचार प्रसार में अपना रचनात्मक योगदान दे सके। राजभाषा के प्रचार प्रसार में राजभाषा कक्ष द्वारा समय समय पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रम एवं गतिविधियां सराहनीय है।

पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए शुभकामनाएं देते हुए मैं आशा करता हूं अपने रोजमर्रा के कार्यों में भी हिंदी का प्रयोग करने की दिशा में सभी निरंतर प्रयत्नशील होंगे।

शुभकामनाओं सहित।

(ए.एस.बख्शी)
सदस्य

केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग में हिंदी पखवाड़े का आयोजन

- केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग में हिंदी पखवाड़ा दिनांक 16.09.2014 से 30.09.2014 तक मनाया गया। हिंदी पखवाड़े के दौरान निबंध लेखन (दिनांक 17.09.2014) वाद विवाद (19.09.2014) और कविता पाठ (23.09.2014) प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।
- इन सभी प्रतियोगिताओं में सभी स्टाफ सदस्यों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। हिंदी पखवाड़ा दिनांक 30.09.2014 को आयोजित समापन समारोह में माननीय अध्यक्ष महोदय एवं सदस्यगण द्वारा प्रतियोगिताओं के पुरस्कृत विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। माननीय अध्यक्ष महोदय ने पुरस्कार वितरण के पश्चात समस्त स्टाफ सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि वे अपने कामकाज में हिंदी का अधिकाधिक इस्तेमाल करें।

पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान पुरस्कार प्रदान करते हुए आयोग के अध्यक्ष श्री गिरीश भा. प्रधान

- इस पुरस्कार वितरण समारोह में विभागीय प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत हिंदी में श्रेष्ठ कार्यनिष्पादन के लिए 3 स्टाफ सदस्यों को भी पुरस्कृत किया गया। समापन समारोह के इस अवसर पर माननीय सचिव महादेय एवं अध्यक्ष राजभाषा कार्यान्वयन समिति सुश्री शुभा शर्मा एवं वरिष्ठ अधिकारीगण तथा सभी स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

यूनिकोड प्रशिक्षण कार्यक्रम में सचिव एवं
अध्यक्ष-राजभाषा कार्यान्वयन समिति प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए

कम्प्यूटर प्रणाली में यूनिकोड (हिंदी फोंट) का प्रयोग – दिनांक 11-12 अगस्त 2014 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

- दिनांक 11-12 अगस्त 2014 को अधिकारियों/कर्मचारियों को लिए हिंदी टंकण (यूनिकोड) का प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिंदी के प्रयोग में आने वाली कठिनाईयों तथा सवैंधानिक तथा व्यवहारिक पहलुओं में व्याख्यान के साथ प्रस्तुति भी इस्तेमाल की गई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में आर्यन सोफ्टवयेर कंपनी के विशेषज्ञ एवं कंप्यूटर में हिंदी के प्रयोग की जानकारी के लिए व्यक्तियों को भी आमंत्रित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 28 अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया।

सौदामनी

जुलाई – सितम्बर, 2014 | केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग | खण्ड–1 अंक–2

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक

- आयोग के स्तर पर गठित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक दिनांक 3 सितम्बर 2014 को आयोग की सचिव एवं अध्यक्ष-राजभाषा कार्यान्वयन समिति सुश्री शुभा शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में सरकार की राजभाषा नीति के अनुपालन और हिंदी के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सितम्बर माह के दौरान हिंदी पखवाड़े का आयोजन एवं तथा विभागीय प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत श्रेष्ठ कार्यनिष्पादन करने के लिए सभी स्टाफ सदस्यों को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न योजनाओं पर विस्तार से विचार विमर्श किया गया। इस बैठक में समिति के अध्यक्ष महोदया द्वारा समस्त प्रभागों की हिंदी प्रगति की रिपोर्ट पर हिंदी प्रगति की जानकारी प्राप्त की गई और निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए समयबद्ध कार्यक्रम बनाने का निर्देश दिया गया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक के दौरान पारस्परिक विचार विमर्श

स्वच्छ भारत अभियान का शुभारंभ

स्वच्छ भारत अभियान के दौरान आयोग के अध्यक्ष महोदय व सदस्यगण तथा वरिष्ठ अधिकारी गण अपने कार्यस्थल को स्वच्छ करते हुए

- दिनांक 25 सितम्बर 2014 से 2 अक्तूबर 2014 तक मनाए गए राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान के अवसर पर स्टाफ सदस्यों को स्वच्छता के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान चलाया गया।
- 16 सितम्बर 2014 से 30 सितम्बर 2014 तक आयोजित हिंदी पखवाड़े के दौरान अन्य प्रतियोगिताओं के साथ साथ स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत दिनांक 29 सितम्बर 2014 को "स्वच्छ भारत : मेरा सपना" शीर्षक से अनुच्छेद लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई जिसमें सभी स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसी कार्यक्रम के अंतर्गत स्लोगन प्रतियोगिता के लिए भी प्रविष्टियां आमंत्रित की गई। श्रेष्ठ दो स्लोगन एवं दो श्रेष्ठ अनुछेदों को माननीय अध्यक्ष महोदय द्वारा पुरस्कृत किया गया।

हिंदी पखवाड़ा – प्रथम पुरस्कार (कविता प्रतियोगिता)

जिन्दगी तू इतनी आसान नहीं

जिन्दगी तू इतनी आसान नहीं
जितना समझती थी मैं
हर रोज एक छोटी सी खुशी के लिए तरसती थी मैं
सुना था जिन्दगी बहुत खुबसूरत है, जीना चाहती थी मैं
इस खुले आकाश में उड़ना चाहती थी मैं
जब हुई थी पैदा मैं सबने कहा लड़की हूं मैं
क्या अन्तर है बाबा मुझमें आज तक नहीं समझी हूं मैं
सबने कहा लड़की हूं मैं रहना है मुझको दायरे में
फिर सोच में डूब गई जिन्दगी अब जिऊं कैसे हाय रे मैं
जिन्दगी तू इतनी आसान नहीं, जितना समझती हूं मैं
हर रोज छोटी सी खुशी के लिए तरसती थी मैं
मेरा क्या था उस घर में, खोयी रहती थी बस अपनेपन में
थी एक लड़की इसलिए ठुकराई जाती थी घर घर में
बाबा ने कहा हुई पराई आज से तू,
फिर उनकी आखों से जाने क्यों पानी आया
नदान थी इस दुनिया से मैं, क्या होता है, लड़की होना
छोड़ कर अपना घर बार किसी और का होना
बद से बद्तर जिन्दगी थी, कितनी नफरत भरी जिंदगी थी
जान गई थी लड़की होना, दूसरे के सहारे जिन्दगी का जीना,
जिन्दगी तू इतनी आसान नहीं
जितना मैं समझती थी,

(मोनिका)
आशु लिपिक

सौदामनी

जुलाई – सितम्बर, 2014 | केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग | खण्ड–1 अंक–2

स्वच्छ भारत अभियान – प्रथम पुरस्कार (अनुच्छेद लेखन)

स्वच्छ भारत : मेरा सपना

स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत अनुच्छेद लेखन प्रतियोगिता में भाग लेते हुए स्टाफ सदस्य

स्वच्छता मनुष्य का सामान्य स्वभाव है। ये मनुष्य को तुरन्त आत्मिक संतोष एवं शान्ति प्रदान करती है। मेरे स्वप्न के स्वच्छ भारत की शुरूआत व्यक्तिगत स्तर से होगी पर सामाजिक एवं राष्ट्रीय स्तर पर ऐसे स्वप्न को साकार करने के लिए व्यक्तिगत चेतना को समष्टिगत चेतना में परिवर्तित होना होगा। मेरे भारत में स्वच्छता बाह्य एवं आंतरिक दोनों प्रकार की होगी। व्यक्तिगत स्तर पर बाह्य स्वच्छता प्रत्येक नागरिक के व्यक्तित्व के विकास, रहन सहन में परिवर्तन, स्वस्थ एवं अनुशासित जीवन शैली के रूप में आयेगी। वहीं सामाजिक स्तर पर बाह्य स्वच्छता भारत में स्वानुशासित एवं स्वस्थ समाज का निर्माण करेगी। एक ऐसा समाज जो कि पर्यावरण के साथ समन्वय सीखेगा, प्राकृतिक स्रोतों को उपयोग उचित ढंग से करेगा। अनुपयोगी (कूड़ा कर्कट) वस्तुओं का वैज्ञानिक उपयोग कर सकेगा। मेरे स्वच्छ भारत की परिकल्पना जल एवं वायु की स्वच्छता जोकि भविष्य के लिये आवश्यक है वह भी शामिल होगी। ये सोच, ये वृतियों मेरे भारत को एक नई पहचान देंगी। आन्तरिक स्वच्छता की बात करें, तो मेरे भारत के नागरिकों को अपने आंतरिक कलुष को दूर करने का प्रयत्न करना होगा, ये उनके आत्मिक विकास में सहायक होगा। समष्टिगत स्तर पर आंतरिक स्वच्छता एक ऐसे भारत का निर्माण करेगी जो सामाजिक कुरीतियों से दूर, अपसंस्कृति के कुप्रभावों से दूर होगा जिसमें दीर्घकालीन उन्नति के बीज भी छिपे होंगे। इस प्रकार इस बाह्यान्तर स्वच्छता से एक ऐसे भारत का निर्माण होगा जिसमें सर्वांगीण विकास की क्षमता होगी। परंतु मुझे अपने स्वच्छ भारत के सपने को साकार करने की पहल स्वंय से करनी होगी। स्वच्छता की गंगा को वास्तविकता की धरती में उतारने के लिए हममे से प्रत्येक को भागीरथ बनना होगा, क्योंकि मात्र एक भागीरथ से काम नहीं चलेगा। हमारी पुण्य सभिन्नता गंगा ने भगीरथ के पूर्वजों का उद्धार किया और हमने, उनकी संतानों ने, उसे ही प्रदूषित कर दिया। इस स्वच्छता की गंगा से न केवल हमारा बाहयान्तर शुद्ध होगा, वरन हम भविष्य के लिए एक आत्मविश्वासी, उन्नतिशील एवं स्वस्थ समाज की नींव भी रख सकेंगे। आइये इस महायज्ञ को हम सभी मनसा-वाचा-कर्मणा अपनी अपनी आहुति दे कर सफल बनायें एवं प्रकृति के ऋण से भी उऋण हों।

(प्रभात कुमार अवस्थी)
संयुक्त प्रमुख (वित्त)

हिंदी पखवाड़े (दिनांक 16.09.2014 से 30.09.2014) के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में पुरस्कृत प्रतिभागियों की सूची

निबंध लेखन (दिनांक 17.09.2014)

क्र.स.	नाम	पदनाम	विभाग	पुरस्कार
1.	श्री अगम कुमार	अनुसंधान अधिकारी	अभियांत्रिकी	प्रथम
2.	सुश्री निवृति पांडे	अनुसंधान सहायक	विधि	द्वितीय
3.	श्री सुमन कुमार	अभिलेखपाल	विधि	तृतीय
4.	सुश्री भुवना	अवर श्रेणी लिपिक	प्रशासन	गैर हिंदी भाषी

सौदामनी

जुलाई – सितम्बर, 2014 | केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग | खण्ड–1 अंक–2

वाद विवाद (दिनांक 19.09.2014)

क्र.स.	नाम	पदनाम	विभाग	पुरस्कार
1.	श्री प्रभात कुमार अवस्थी	संयुक्त प्रमुख	वित्त	प्रथम
2.	श्री महेश गुप्ता	सहायक प्रमुख	लेखा	द्वितीय
3.	श्री अमित कुमार	अभिलेखपाल	प्रशासन	तृतीय
4.	सुश्री बॉबी एंटोनी	आशुलिपिक	वि.मा.	गैर हिंदी भाषी

कविता पाठ (दिनांक 23.09.2014)

क्र.स.	नाम	पदनाम	विभाग	पुरस्कार
1.	सुश्री मोनिका	आशुलिपिक	वित्त	प्रथम
2.	सुश्री रितु रनदेवा	सहायक प्रमुख	विधि	द्वितीय
3.	सुश्री निधि	अनुसंधान सहायक	विधि	तृतीय
4.	श्री सुनील कुमार पी.	अनुसंधान अधिकारी	अभियांत्रिकी	गैर हिंदी भाषी

विभागीय हिंदी प्रोत्साहन योजना

क्र.स.	नाम	पदनाम	विभाग
1.	श्री राजीव कुमार	सहायक	प्रशासन
2.	श्री अनिल कुमार	सहायक	लेखा
3.	श्री ललित कुमार	आशुलिपिक	अभियांत्रिकी

पैराग्राफ लेखन प्रतियोगिता (29.09.2014)

क्र.स.	नाम	पदनाम	विभाग
1.	श्री पी.के.अवस्थी	संयुक्त प्रमुख	वित्त
2.	श्री तिलक राज	सहायक प्रमुख	वित्त

स्लोगन प्रतियोगिता

क्र.स.	नाम	पदनाम	विभाग
1.	सुश्री रितु रनदेवा	सहायक प्रमुख	विधि
2.	श्री संजीव कुमार	अभिलेखपाल	अभिलेख कक्ष

संरक्षक
ए.के.सिंघल
सदस्य

www.cercind.gov.in

संपादक मंडल
शुभा शर्मा, सचिव
पी. राममूर्ति, सहायक सचिव
राजेन्द्र प्रताप सहगल
राजभाषा अधिकारी

कृपया इस पते पर अपनी प्रतिक्रिया भेजें :
केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग
भूतल, चन्द्रलोक बिल्डिंग, 36 जनपथ,
नई दिल्ली–110001
Email : info@cercind.gov.in

इस पत्रिका में व्यक्त विचार लेखक के अपने है और इससे के.वि.वि.आ. की सहमति अनिवार्य नही है।